भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1847

01 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए नियत

"इलेक्ट्रिक वाहन के कारखाने"

1847. श्री नितेश गंगा देब:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने चालू वर्ष के दौरान देश में इलेक्ट्रिक वाहन कारखाने की स्थापना के लिए कम्पनियों को कोई अनुमोदन प्रदान कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो इन कंपनियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने हरित प्रौद्योगिकी के एक भाग के रूप में देश में उन्नत बैटरी सेल का उत्पादन करने के लिए कंपनियों को उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) भी दिए हैं; और

(घ) यदि हां, तो आज की तिथि तक उपर्युक्त पर किए गए निवेश का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क) और (ख): जी नहीं। भारी उद्योग मंत्रालय देश में इलेक्ट्रिक वाहन कारखाने खोलने के लिए कंपनियों को कोई मंजूरी नहीं देता।

(ग) और (घ): सरकार ने भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से 50 गीगावाट घंटे की विनिर्माण क्षमता प्राप्त करने के लिए उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण हेतु 18,100 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय वाली उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम को 12 मई, 2021 को अनुमोदित किया है। इसके अतिरिक्त, 5 गीगावाट घंटे की उत्कृष्ट एसीसी प्रौद्योगिकियां भी इस स्कीम में शामिल हैं।

पीएलआई एसीसी स्कीम के अंतर्गत जिन तीन इकाइयों को एसीसी क्षमताएं प्रदान की गई हैं, वे हैं- राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (5 गीगावाट घंटा), ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (20 गीगावाट घंटा) और रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड (5 गीगावाट घंटा)। एसीसी संबंधी पीएलआई स्कीम के अंतर्गत वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान चयनित संस्थाओं द्वारा किए गए निवेश का विवरण **अनुलग्नक** में है।

***

अनुलग्नक

पीएलआई एसीसी स्कीम के अंतर्गत चयनित कंपनियों द्वारा किया गया निवेश

क्र. सं.	**कंपनी का नाम**	**राज्य जहां विनिर्माणकारी इकाई स्थित है**	**वित्त वर्ष 22-23 में प्राप्त निवेश**
1	रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी स्टोरेज लिमिटेड	गुजरात	प्रौद्योगिकी भागीदारियाँ - 2,000 करोड़ रुपये ; अनुसंधान और विकास - 3.5 करोड़ रुपये
2	एसीसी एनर्जी स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड (राजेश एक्सपोर्ट लिमिटेड)	कर्नाटक	77 करोड़ रुपये
3	ओला सेल टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड	तमिलनाडु	34 करोड़ रुपये

***